प्रेरितों का विश्वास-कथन

अध्ययन निर्देशिका

अध्याय
पांच

कलीसिया

THIRD MILLENNIUM
MINISTRIES
Biblical Education. For the World. For Free.

For videos, manuscripts, and other resources, visit Third Millennium Ministries at thirdmill.org.

विषय-वस्तु

इस अध्याय को कैसे इस्तेमाल करें और अध्ययन निर्देशिका 3

नोट्स 4

1. परिचय (1:01) 4

2. स्वीकृति (3:26) 4

A. पुराना नियम (6:18) 5

B. यीशु (12:42) 5

C. आशय (19:23) 6

1. उद्देश्य (20:28) 6
2. विश्वासी और अविश्वासी (22:45) 6
3. जिम्मेदारियां (24:55) 6

3. पवित्र (31:52) 7

A. परिभाषा (33:24) 7

B. लोग (40:41) 7

1. दृश्य कलीसिया (43:02) 8
2. अदृश्य कलीसिया (47:48) 8

4. सार्वभौमिक (52:00) 9

A. परिभाषा (52:21) 9

B. दृश्य सार्वभौमिक कलीसिया (57:21) 9

C. अदृश्य सार्वभौमिक कलीसिया (1:05:03) 10

1. एक उद्धारकर्त्ता (1:06:04) 10
2. एक धर्म (1:08:44) 10

5. संगति (1:14:55) 11

A. दृश्य कलीसिया (1:16:41) 12

1. अनुग्रह के साधन (1:17:02) 12
2. आत्मिक वरदान (1:21:27) 12
3. भौतिक वस्तुएँ (1:23:56) 13

B. अदृश्य कलीसिया (1:26:50) 13

1. मसीह के साथ एकता (1:27:01) 13
2. विश्वासियों के साथ एकता (1:31:26) 13

6. उपसंहार (1:35:11) 14

पुनर्समीक्षा के प्रश्न 15

उपयोग के प्रश्न 20

© 2010 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

इस अध्याय को कैसे इस्तेमाल करें और अध्ययन निर्देशिका

इस अध्ययन निर्देशिका को इसके साथ जुड़े वीडियो अध्याय के साथ इस्तेमाल करने के लिए तैयार किया गया है। यदि आपके पास वीडियो नहीं है तो भी यह अध्याय के ऑडियो और/या लेख रूप के साथ कार्य करेगा। इसके साथ-साथ अध्याय और अध्ययन निर्देशिका की रचना सामूहिक अध्ययन में इस्तेमाल किए जाने के लिए की गई है, परन्तु यदि जरुरत हो तो उनका इस्तेमाल व्यक्तिगत अध्ययन के लिए भी किया जा सकता है।

- **इससे पहले कि आप वीडियो देखें**
    - **तैयारी करें** — किसी भी बताए गए पाठन को पूरा करें।
    - **देखने की समय-सारणी बनाएं** — अध्ययन निर्देशिका के नोट्स के भाग में अध्याय को ऐसे भागों में विभाजित किया गया है जो वीडियो के अनुसार हैं। कोष्ठक में दिए गए समय कोड्स का इस्तेमाल करते हुए निर्धारित करें कि आपको देखने के सत्र को कहाँ शुरू करना है और कहाँ समाप्त। IIIM अध्याय अधिकाधिक रूप में जानकारी से भरे हुए हैं, इसलिए आपको समय-सारणी में अंतराल की आवश्यकता भी होगी। मुख्य विभाजनों पर अंतराल रखे जाने चाहिए।
- **जब आप अध्याय को देख रहे हों**
    - **नोट्स लिखें** — सम्पूर्ण जानकारी में आपके मार्गदर्शन के लिए अध्ययन निर्देशिका के नोट्स के भाग में अध्याय की आधारभूत रूपरेखा रहती है, इसमें हर भाग के आरंभ के समय कोड्स और मुख्य बातें भी रहती हैं। अधिकांश मुख्य विचार पहले ही बता दिए गए हैं, परन्तु इनमें अपने नोट्स अवश्य जोड़ें। आपको इसमें सहायक विवरणों को भी जोड़ना चाहिए जो आपको मुख्य विचारों को याद रखने, उनका वर्णन करने और बचाव करने में सहायता करेंगे।
    - **टिप्पणियों और प्रश्नों को लिखें —** जब आप वीडियो को देखते हैं तो जो आप सीख रहे हैं उसके बारे में आपके पास टिप्पणियां और/या प्रश्न होंगे। अपनी टिप्पणियों और प्रश्नों को लिखने के लिए इस रिक्त स्थान का प्रयोग करें ताकि आप देखने के सत्र के बाद समूह के साथ इन्हें बाँट सकें।
    - **अध्याय के कुछ हिस्सों को रोकें/पुनः चलाएँ** — अतिरिक्त नोट्स को लिखने, मुश्किल भावों की पुनः समीक्षा के लिए या रुचि की बातों की चर्चा करने के लिए वीडियो के कुछ हिस्सों को रोकना और पुनः चलाना सहायक होगा।
- **वीडियो को देखने के बाद**
    - **पुनर्समीक्षा के प्रश्नों को पूरा करें** — पुनर्समीक्षा के प्रश्न अध्याय की मूलभूत विषय-वस्तु पर निर्भर होते हैं। आप दिए गए स्थान पर पुनर्समीक्षा के प्रश्नों का उत्तर दें। ये प्रश्न सामूहिक रूप में नहीं बल्कि व्यक्तिगत रूप में पूरे किए जाने चाहिए।
    - **उपयोग प्रश्नों के उत्तर दें या उन पर चर्चा करें** — उपयोग के प्रश्न अध्याय की विषय-वस्तु को मसीही जीवन, धर्मविज्ञान, और सेवकाई से जोड़ने वाले प्रश्न हैं। उपयोग के प्रश्न लिखित सत्रीय कार्यों के रूप में या सामूहिक चर्चा के रूप में उचित हैं। लिखित सत्रीय कार्यों के लिए यह उचित होगा कि उत्तर एक पृष्ठ से अधिक लम्बे न हों।

© 2013 by Third Millennium Ministries
www.thirdmill.org

नोट्स

1. परिचय (1:01)

प्रेरितों के विश्वास-कथन में “कलीसिया” शब्द प्रमुख रूप से परमेश्वर के लोगों को दर्शाता है।

जब विश्वास-कथन कहता है, “हम कलीसिया में विश्वास करते हैं” तो इसका अर्थ यह नहीं है कि हम उद्धार के लिए कलीसिया पर भरोसा रखते हैं।

2. स्वीकृति (3:26)

विशालतः कलीसिया :

- पृथ्वी पर परमेश्वर का राज्य है
- उसके विशेष लोगों की मंडली है
- वह मुख्य माध्यम है जिसके द्वारा वह उद्धार प्रदान करता है
- परमेश्वर के साथ हमारे संबंध को स्थापित करने और बनाए रखने में महत्वपूर्ण है

परमेश्वर ने कलीसिया को एक उद्देश्य के लिए बनाया और उसे अधिकार से भर दिया।

© 2010 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

A. पुराना नियम (6:18)

नए नियम की कलीसिया के अर्थ की जड़ें पुराने नियम में मिलती हैं।

इस्राएल की सभा पुराने नियम में नए नियम की कलीसिया के समकक्ष थी।

B. यीशु (12:42)

यीशु ने अपनी कलीसिया इस प्रकार बनाई जो पुराने नियम की कलीसिया पर निर्भर तो रही पर उससे आगे भी बढ़ी।

यीशु नए नियम की कलीसिया के रूप में इस्राएल को बचाने और पुनर्स्थापित करने आया।

© 2010 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

C. आशय (19:23)

पुराने नियम के इस्राएल और नए नियम की कलीसिया में एक आधारभूत निरंतरता है।

1. उद्देश्य (20:28)

- संसार को परमेश्वर के पृथ्वी के राज्य में बदलना

2. विश्वासी और अविश्वासी (22:45)

- दोनों सभाओं में विश्वासी और अविश्वासी दोनों होते हैं।

3. जिम्मेदारियां (24:55)

- परमेश्वर से प्रेम करना

- उसके राज्य को फैलाना

- उसको महिमा देना

© 2010 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

3. पवित्र (31:52)

"पवित्र," "शुद्ध" और "संत" एक ही शब्द-समूह से आते हैं।

A. परिभाषा (33:24)

नैतिक रूप से शुद्ध :

- पाप और भ्रष्टता से मुक्त

परमेश्वर की विशेष सेवा में प्रयोग के लिए अलग किया :

- वस्तुएँ यदि नैतिक रूप से शुद्ध नहीं हैं तो भी वे पवित्र हो सकती हैं

B. लोग (40:41)

बाइबल लोगों को पवित्र बताती है जब उन्हें परमेश्वर के उपयोग के लिए अलग किया जाता है।

© 2010 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

1. दृश्य कलीसिया (43:02)

वह जो एकत्रित कलीसिया का नियमित भाग होती है

- परमेश्वर की वाचा में अभिपुष्ट
- मसीह में विश्वास को रखता या अंगीकार करता है
- कलीसिया की शिक्षा के प्रति समर्पित है
- विश्वासी अभिभावक या जीवनसाथी रखता है

2. अदृश्य कलीसिया (47:48)

वे जो उद्धार में मसीह के साथ जोड़े गए हैं (सच्ची कलीसिया)

केवल परमेश्वर अदृश्य कलीसिया को पूर्ण निश्चयता के साथ पहचान सकता है।

कलीसिया को निरंतर सुसमाचार सुनना आवश्यक है।

© 2010 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

4. सार्वभौमिक (52:00)

A. परिभाषा (52:21)

सार्वभौमिक :

- सार्वभौमिक : सब कलीसियाओं के सब मसीही शामिल
- लैटिन शब्द *"कैथोलिकस"* से (यूनानी : संपूर्ण, पूरा)
- रोमी कैथोलिक चर्च का उल्लेख नहीं
- उस एकता का विवरण जो मसीह का विश्वासयोग्यता से अनुसरण करने वाली कलीसियाओं में पाई जाती है।

प्रेरितों का विश्वास-कथन पवित्र आत्मा की उस एकता के बारे में बात करता है जो सच्ची मसीही कलीसियाओं में पाई जाती है।

- समावेशी

कालांतर में कलीसिया विभाजनों के कारण बिखर गई

- गैर-समावेशी

B. दृश्य सार्वभौमिक कलीसिया (57:21)

परिभाषा : मसीह के अधिकार के तहत परमेश्वर की वाचा में पाए जाने वाले लोगों की एक वैश्विक संगति।

© 2010 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

कलीसिया के चिह्न :

- वचन
- संस्कार
- अनुशासन

C. अदृश्य सार्वभौमिक कलीसिया (1:05:03)

परिभाषा : सब युगों के सब लोग जो उद्धार के लिए मसीह से जुड़े हैं।

1. एक उद्धारकर्त्ता (1:06:04)

यीशु मसीह मानवजाति को दिया गया एकमात्र उद्धारकर्त्ता है।

2. एक धर्म (1:08:44)

केवल एक सच्चा धर्म है जो मसीह की ओर हमारी अगुवाई कर सकता है।

© 2010 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

दृश्य कलीसिया के बाहर के लोगों के लिए सामान्य रूप से उद्धार संभव नहीं है।

5. संगति (1:14:55)

कोइनोनिआ :

- वह संगति जो कलीसिया के सदस्यों के बीच पाई जाती है

- मिल-बांटना
    - भौतिक वस्तुएँ और धन

    - सुसमाचार (कलीसिया के भीतर)

संगति :

- कलीसिया के सदस्यों के बीच संगति
- उन वस्तुओं को बांटना जो हमारे पास हैं
- पारस्परिक निर्भरता

© 2010 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

A. दृश्य कलीसिया (1:16:41)

1. अनुग्रह के साधन (1:17:02)

वे साधन जिन्हें परमेश्वर अपने लोगों को अनुग्रह प्रदान करने के लिए सामान्य रूप में इस्तेमाल करता है :

- वचन
- संस्कार
- प्रार्थना

2. आत्मिक वरदान (1:21:27)

पवित्र आत्मा दृश्य कलीसिया की बढ़ोतरी के लिए सारे आत्मिक वरदानों का प्रयोग करता है।

वे आत्मिक वरदान जो संपूर्ण दृश्य कलीसिया में पाए जाते हैं।

- सार्वजनिक आराधना सभाएं

- संपूर्ण कलीसिया को बढ़ाना

- अविश्वासियों के लिए चिह्न

- अविश्वासियों को दोषी ठहराना

© 2010 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

3. भौतिक वस्तुएँ (1:23:56)

बाइबल और आरंभिक कलीसिया में मसीहियों ने उन सबके साथ अपनी भौतिक वस्तुओं को बांटा जो आवश्यकता में थे।

B. अदृश्य कलीसिया (1:26:50)

1. मसीह के साथ एकता (1:27:01)

यीशु विश्वासियों में वास करता है और वे यीशु में।

इस एकता में हमारे शरीर और आत्माएं दोनों सहभागी होते हैं।

2. विश्वासियों के साथ एकता (1:31:26)

विश्वासी मसीह में एक-दूसरे से जुड़े रहते हैं।

दृश्य कलीसिया के साथ हमारी एकता संबंधपरक और आनुभविक है; अदृश्य कलीसिया के साथ हमारी एकता आत्मिक और अस्तित्व मीमांसा-संबंधी है।

© 2010 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

अदृश्य कलीसिया की संगति पृथ्वी पर की कलीसिया तक सीमित नहीं है।

पवित्रशास्त्र इस बात से बहुत सी बातों को समझाता है कि विश्वासी मसीह में जुड़े हुए हैं।

6. उपसंहार (1:35:11)

© 2010 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

पुनर्समीक्षा के प्रश्न

1. चर्चा कीजिए कि किस प्रकार नए नियम की कलीसिया पुराने नियम में अपनी जड़ों को पाती है।

2. यीशु ने किस प्रकार अपनी ऐसी कलीसिया की स्थापना की जो पुराने नियम की कलीसिया पर निर्भर तो थी पर उससे आगे भी बढ़ी?

© 2010 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

3. पुराने नियम और नए नियम की कलीसिया के बीच पाए जाने वाले संबंध के कुछ आशय क्या हैं?

4. बाइबल में इस्तेमाल किए गए शब्द “पवित्र” को परिभाषित कीजिए और इस पर चर्चा कीजिए।

© 2010 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

5. बाइबल का इसमें क्या अर्थ है जब यह परमेश्वर के लोगों का वर्णन करने के लिए “पवित्र” शब्द का इस्तेमाल करती है?

6. “सार्वभौमिक” शब्द को परिभाषित कीजिए और इसका वर्णन कीजिए, जिस प्रकार इसे प्रेरितों के विश्वास-कथन में समझा गया।

© 2010 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

7. दृश्य सार्वभौमिक कलीसिया क्या है, और हम कैसे निश्चित करते हैं कि कौनसी कलीसियाएं मसीह की सार्वभौमिक कलीसिया के भाग के रूप में स्वीकार की जानी चाहिए?

8. अदृश्य सार्वभौमिक कलीसिया के बारे में चर्चा कीजिए और इस पर भी कि यह किस प्रकार दृश्य सार्वभौमिक कलीसिया से भिन्न है?

© 2010 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

9. किन रूपों में दृश्य कलीसिया संतों की एक संगति है?

10. चर्चा करें कि किस प्रकार अदृश्य कलीसिया के सभी विश्वासी मसीह के साथ और अन्य विश्वासियों के साथ संगति रखते हैं।

© 2010 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

उपयोग के प्रश्न

1. परमेश्वर के साथ संबंध को बनाए रखने में कलीसिया किस प्रकार महत्वपूर्ण है?

2. आपने किन रूपों में कलीसियाई समुदाय में परमेश्वर के अनुग्रह का अनुभव किया है?

3. हम में से कुछ लोग कलीसिया को मुख्य रूप से एक इमारत ही सोचते हैं। किस प्रकार परमेश्वर के लोगों की मंडली के रूप में कलीसिया को इस समस्या से बचाने में सहायता करनी चाहिए?

4. किन रूपों में आप संसार को परमेश्वर के पृथ्वी पर के राज्य में बदलने के कलीसिया के उद्देश्य में सहभागी हो सकते हैं?

5. किन रूपों में आप देखते हैं कि कलीसिया को संसार से अलग होने (पवित्र बनने) की आवश्यकता है?

6. यदि अंततः परमेश्वर ही जानता है कि अदृश्य कलीसिया में कौन-कौन हैं, तो हमें उनसे कैसे व्यवहार करना चाहिए जो अभी तक विश्वासी नहीं बने हैं?

7. क्योंकि कलीसिया "सार्वभौमिक" है तो हमें उन कलीसियाओं के बारे में कैसे सोचना चाहिए जो प्रेरितों के विश्वास-कथन को मानती हैं?

8. कलीसिया अनुशासन से एक मंडली में क्या लाभ प्राप्त हो सकता हैं?

9. कलीसिया की संगति को आपने किस प्रकार अनुभव किया है?

10. ऐसे तीन रूप कौनसे हैं जिनमें आप अपने वरदानों का इस्तेमाल अपने कलीसियाई समुदाय के लाभ के लिए कर सकते हैं?

11. इस अध्याय में आपने कौनसी सबसे महत्वपूर्ण बात सीखी है?

© 2010 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org